24 कैरेट सोना 6,865 रु. सस्ता

चांदी की कीमतों में 22,825 की गिरावट दर्ज हुई

सोना रु. 6,865 सस्ता होकर रु.1,68,475 प्रति 10 ग्राम पहुंचा

नई दिल्ली, 30 जनवरी. चार दिन तक ऑल टाइम हाई पर रहने के बाद 30 जनवरी को सोना और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई. एक्सपर्ट्स के मुताबिक बाजार में मुनाफा वसूली के चलते सर्राफा रेट नीचे आए हैं.

आईबीजेए के अनुसार 24 कैरेट सोना रु. 6,865 सस्ता होकर रु.1,68,475 प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि चांदी में रु.22,825 की गिरावट दर्ज हुई है. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के ताजा आंकड़ों के अनुसार गुरुवार की तुलना में शुक्रवार को सोना और चांदी के दामों में तेज गिरावट देखी गई. गुरुवार को 24 कैरेट सोना रु.1,75,340 प्रति 10 ग्राम था, जो शुक्रवार को घटकर रु.1,68,475 रह गया. इसी तरह चांदी की कीमत रु.3,79,988 प्रति किलो से गिरकर रु.3,57,163 पर आ गई. विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार चार दिन की रिकॉर्ड तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफा वसूली शुरू की, जिसका सीधा असर सर्राफा कीमतों पर पड़ा.

महंगे सोने-चांदी बीच राहत की मांग

सोने-चांदी की रिकॉर्ड ऊंची कीमतों के बीच भारत का जेम्स एंड ज्वेलरी उद्योग बजट 2026-27 से बड़ी उम्मीदें लगाए बैठा है. बढ़ती लागत, वैश्विक अनिश्चितता और बदलती उपभोक्ता पसंद के दौर में उद्योग को नीतिगत राहत की दरकार है. किफायती गहनों की पहुंच, आयात शुल्क में तर्कसंगत कमी, जीएसटी दर की समीक्षा और निर्यात को बढ़ावा देने जैसे कदमों से सेक्टर को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है. उद्योग प्रतिनिधियों का मानना है कि सोने-चांदी की कीमतों में तेज उछाल के कारण उपभोक्ता मांग सतर्क हो गई है.

स्पाइसजेट इम्फाल के लिए शुरू करेगी दैनिक उड़ानें

नई दिल्ली, 30 जनवरी. किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट मुंबई, कोलकाता और गुवाहाटी से मणिपुर की राजधानी इम्फाल के लिए दैनिक उड़ानें शुरू करेगी. एयरलाइन ने शुक्रवार को बताया कि ये उड़ानें 10 फरवरी से शुरू होंगी. कोलकाता और गुवाहाटी से इम्फाल के लिए सीधी उड़ानें उपलब्ध होंगी, जबकि मुंबई से जाने वाली उड़ान कोलकाता होते हुए इम्फाल जायेगी. कंपनी इन मार्गों पर बोइंग 737 विमानों का इस्तेमाल करेगी. स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा कि इम्फाल के लिए पहली उड़ान एयरलाइन के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है.

टैक्स से किसानों को 13 लाख का लाभ

नई टैक्स रिजीम को आकर्षक बनाने की तैयारी

सोलर सब्सिडी और आयुष्मान दायरा बढ़ेगा

नई दिल्ली, 30 जनवरी. एक फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट से पहले कई बड़ी घोषणाओं के संकेत मिल रहे हैं. वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण मिडिल क्लास, किसानों, रेल यात्रियों, सोलर उपभोक्ताओं और बुजुर्गों को राहत देने वाले फैसले कर सकती हैं.

टैक्स छूट बढ़ाने से लेकर किसान सम्मान निधि, नई ट्रेनों, सोलर सब्सिडी और आयुष्मान भारत के दायरे को विस्तार देने तक, बजट में आम लोगों की जेब और जरूरतों पर खास ध्यान रहने की उम्मीद है. बजट 2026 में नई टैक्स रिजीम को और आकर्षक

बनाते हुए स्टैंडर्ड डिडक्शन 75 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये किया जा सकता है, जिससे 13 लाख रुपये तक की आय टैक्स फ्री हो सकती है. पीएम-किसान सम्मान निधि को 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार रुपये सालाना करने पर भी विचार संभव है, जिससे 11 करोड़ किसान परिवारों को राहत मिलेगी.

रेलवे में 300 से ज्यादा अमृत भारत और वंदे भारत ट्रेनों की घोषणा कर वेटिंग लिस्ट कम करने की दिशा में कदम उठाया जा सकता है. पीएम सूर्य घर योजना के तहत 2KW सोलर सिस्टम पर सब्सिडी 60 हजार से बढ़ाकर 80 हजार रुपये करने का प्रस्ताव संभावित है. आयुष्मान भारत योजना का दायरा 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों तक बढ़ाने और इलाज की सीमा बढ़ाने पर भी विचार हो सकता है.

बजट 2026 : स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में उम्मीदें बढ़ीं

केंद्रीय बजट 2026 को लेकर हेल्थ और शिक्षा क्षेत्रों में बड़ी उम्मीदें जताई जा रही हैं. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से इस बार जन स्वास्थ्य, डिजिटल हेल्थ, मानव संसाधन और कौशल आधारित उच्च शिक्षा में सुधार की उम्मीद है. पिछले वर्ष स्वास्थ्य बजट में 9.8 प्रतिशत और शिक्षा बजट में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी. इस बार निवेश और गुणवत्ता दोनों पर विशेष फोकस रहने की संभावना है.

आईटीसी का मुनाफा घटा

नई दिल्ली, 30 जनवरी. एफएमसीजी क्षेत्र की कंपनी आईटीसी का एकल शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 1.76 प्रतिशत घटकर 5,088.83 करोड़ रुपये रह गया.

कंपनी के निदेशकमंडल की हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की गयी. साथ ही प्रति इक्विटी शेयर पर 6.50 रुपये का अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की गयी है. लाभांश के लिए 04 फरवरी को शेयरधारिता को आधार माना जायेगा और इसका भुगतान 26 फरवरी से 28 फरवरी के बीच किया जायेगा. कंपनी ने बताया कि तिमाही के दौरान उसका कुल राजस्व 20,431.36 करोड़ रुपये रहा. इसमें सिगरेट के कारोबार का राजस्व 8,790.76 करोड़ रुपये और दूसरे एफएमसीजी उत्पादों का राजस्व 6,019.69 करोड़ रुपये रहा. उसके कृषि कारोबार का राजस्व 3,560 करोड़ रुपये और कागज तथा पैकेजिंग कारोबार का 2,202 करोड़ रुपये रहा.

भारतीय रेल की पहली एलएनजी ट्रेन का सफल संचालन

अहमदाबाद, 30 जनवरी. मण्डल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद वेद प्रकाश ने कहा कि पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद स्थित इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो, साबरमती में भारतीय रेलवे की पहली एलएनजी-डीजल आधारित ड्यूल फ्यूल डीईएमयू ट्रेन का निरीक्षण किया.

इस अवसर पर उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए इस अभिनव पहल की विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने बताया कि भारतीय रेल ने स्वच्छ, पर्यावरण-अनुकूल एवं किफायती रेल परिचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय रेलवे में पहली बार डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट के ड्राइविंग पावर कार में लिक्विफाइड नेचुरल गैस आधारित ड्यूल फ्यूल प्रणाली को सफलतापूर्वक अपनाया गया है. इस योजना के अंतर्गत 1400 एचपी के दो डीईएमयू डीपीसी को डीजल + एलएनजी ड्यूल फ्यूल प्रणाली में परिवर्तित किया गया है, जिसमें लगभग 40 प्रतिशत तक डीजल के स्थान पर एलएनजी का उपयोग किया जा रहा है. इन दोनों परिवर्तित डीपीसी पर 2000 किलोमीटर से अधिक का सफल फील्ड ट्रायल किया जा चुका है तथा वर्तमान में ये बिना किसी समस्या के नियमित यात्री सेवा में संचालित हो रहे हैं.

प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

ड्यूल फ्यूल प्रणाली इस प्रकार डिजाइन की गई है कि इंजन की शक्ति और विश्वसनीयता पारंपरिक डीजल इंजन के समान बनी रहती है, जिससे बेहतर प्रदर्शन के साथ-साथ ईंधन बचत और प्रदूषण में कमी सुनिश्चित होती है. स्वीकृत डिजाइन के अनुसार डीपीसी में लगभग 2200 लीटर क्षमता (लगभग 950-1000 किलोग्राम उपयोगी एलएनजी) का एलएनजी टैंक स्थापित किया गया है. एक बार पूर्ण भराव से 222 किलोमीटर के दैनिक संचालन के लिए पर्याप्त एलएनजी उपलब्ध हो जाता है, जिससे बार-बार ईंधन भरने की आवश्यकता कम होती है.

एलएनजी ड्यूल फ्यूल प्रणाली के प्रमुख लाभ

इंजन से निकलने वाले प्रदूषकों में उल्लेखनीय कमी, विशेष रूप से कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और पार्टिकुलेट मैटर में कमी. रेलवे मार्गों के आसपास वायु गुणवत्ता में सुधार तथा राष्ट्रीय पर्यावरणीय लक्ष्यों की पूर्ति में सहायता. ईंधन लागत में कमी एलएनजी, डीजल की तुलना में सस्ता है. आंशिक रूप से डीजल के स्थान पर एलएनजी के उपयोग से परिचालन लागत में उल्लेखनीय बचत होती है. परीक्षण आंकड़ों के आधार पर एक डीपीसी से लगभग रु.11.9 लाख प्रति वर्ष की बचत तथा एक 8-कोच डीईएमयू रेक (2 डीपीसी) से लगभग रु. 23.9 लाख प्रति वर्ष की बचत संभव है.

गिरावट में बंद हुए शेयर बाजार

बीएसई का सेंसेक्स 296.59 अंक गिरकर 82,269.78 अंक पर रहा

मझौली कंपनियों में बिकवाली का जोर जबकि छोटी कंपनियों में लिवाली ज्यादा

मुंबई, 30 जनवरी. एशियाई बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांक लगातार तीन दिन की तेजी के बाद शुक्रवार को गिरावट में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स 296.59 अंक (0.36) गिरकर 82,269.78 अंक पर रहा. सुबह 619 अंक नीचे खुलने के बाद सूचकांक पूरे दिन लाल निशान में रहा. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 98.25 अंक टूटकर 25,320.65 अंक पर बंद हुआ. मझौली कंपनियों में भी बिकवाली का जोर रहा जबकि छोटी कंपनियों में लिवाली ज्यादा देखी गयी. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.26 प्रतिशत नीचे बंद हुआ. निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.32 प्रतिशत मजबूत हुआ. निफ्टी धातु सूचकांक में 5.21 प्रतिशत की जबरदस्त गिरावट रही. आईटी, वित्तीय सेवाओं और निजी बैंकिंग समूहों के सूचकांक भी लाल निशान में रहे.

एफएमसीजी, रियल्टी, ऑटो, मीडिया, स्वास्थ्य, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों के सूचकांकों में भी मजबूती रही. सेंसेक्स में टाटा स्टील का शेयर साढ़े चार प्रतिशत टूट गया. आईसीआईसीआई बैंक का शेयर दो प्रतिशत नीचे बंद हुआ. पावरग्रिड, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा और इंफोसिस के शेयर एक से दो प्रतिशत की गिरावट में रहे.

कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, एनटीपीसी, इटरनल, इंडिगो और बजाज फाइनेंस के शेयर भी लाल निशान में रहे. महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सवा फीसदी से अधिक चढ़ा. भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी और बीईएल के शेयर एक फीसदी से अधिक मजबूत हुए. हिंदुस्तान यूनीलिवर, टाइटन, मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक और सनफार्मा के शेयर भी हरे निशान में रहे.

देश में 19 सीट वाले विमान बनाने के लिए हुआ करार

दोनों कंपनियां भारत में अंतिम असेम्बली लाइन लगाने विस्तृत विवरण पर विचार-विमर्श करेंगी

हैदराबाद, 30 जनवरी. शक्ति समूह की कंपनी शक्ति एविएशन एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (एसडीएसपीएल) ने देश में 19 सीटर एल410 एनजी विमानों के निर्माण के लिए चेक गणराज्य के ओमनीपोल समूह के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया.

दोनों कंपनियों के अधिकारियों ने यहां विंग्स इंडिया 2026 में नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू और नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा की मौजूदगी में एमओयू की अदला-बदली की. एल410 एनजी टर्बाइन इंजन वाला विमान है जिसका निर्माण ओमनीपोल समूह की सदस्य कंपनी चेक मैन्युफेक्चरर एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज द्वारा किया जाता है. इन विमानों का इस्तेमाल क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान के तहत छोटे और मझौले शहरों को जोड़ने के लिए हो सकता है.

एल410 एनजी विमान छोटे और ऐसे रनवे से भी उड़ान भर सकते हैं जो पूरी तरह तैयार न हो. एसडीएसपीएल के अध्यक्ष एम. मणिकम ने कहा कि इस समझौते से न सिर्फ विमान सेवा कंपनियों को अधिक विकल्प मिलेगा, बल्कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से घरेलू उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा. यह सरकार के मेक-इन-इंडिया के अनुरूप है.

भारत में आईफोन की बिक्री ने बनाया तिमाही रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 30 जनवरी. महंगे टेक उत्पाद बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एप्पल का राजस्व 27 दिसंबर 2025 को समाप्त पहली तिमाही में 15 प्रतिशत सालाना वृद्धि के साथ नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया जिसमें भारतीय बाजार में आईफोन से रिकॉर्ड तिमाही राजस्व भी शामिल है.

तिमाही के दौरान कंपनी का कुल राजस्व 15.65 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 143.76 अरब डॉलर पर पहुंच गया. इसमें आईफोन का राजस्व 85.27 अरब डॉलर, मैक का 8.39 अरब डॉलर और आईपैड का 8.6 अरब डॉलर दर्ज किया गया. शेष हिस्सा वेयरेबल्स का रहा. इन उत्पादों की सर्विसिंग से कंपनी को 30.01 अरब डॉलर की कमाई हुई. एप्पल को तिमाही के दौरान 42.1 अरब डॉलर का शुद्ध लाभ हुआ जो एक साल पहले के मुकाबले 15.87 प्रतिशत अधिक है.

समाचार विशेष

केरल चुनाव से पहले सीपीएम नेता को पद्म सम्मान

भाजपा के कट्टर आलोचकों को अवार्ड देने के पीछे क्या है रणनीति?

नई दिल्ली. गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर घोषित पद्म सम्मानों ने एक बार फिर यह संकेत दिया है कि मोदी सरकार वैचारिक मतभेदों के बावजूद अपने राजनीतिक विरोधियों को सम्मान देने से परहेज नहीं करती. रविवार शाम जारी पद्म सम्मान सूची में दो नाम खास तौर पर चर्चा में रहे, केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ सीपीआईएम नेता वी.एस. अच्युतानंदन तथा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन. दोनों दिवंगत नेताओं को पद्म सम्मान से नवाज़ा गया है, हालांकि इसके पीछे के राजनीतिक संदेश और संभावित रणनीति को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं.

ध्यान देने वाली बात यह है कि वी.एस.

अच्युतानंदन बीजेपी और आरएसएस के कट्टर आलोचक रहे हैं. उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में इन संगठनों को सांप्रदायिक बताते हुए लगातार निशाना बनाया. वे बीजेपी पर संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाते रहे और सेक्युलर ताकतों को बीजेपी के खिलाफ एकजुट होने की अपील करते थे. अच्युतानंदन कांग्रेस और राहुल गांधी पर भी कई बार तीखे हमले करते रहे और राहुल गांधी को अपरिपक्व तक कह चुके थे. ऐसे में उन्हें पद्म विभूषण दिए जाने के फैसले को राजनीतिक नजरिए से केरल विधानसभा चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है. केरल में अपना जनाधार बढ़ाने की कोशिशों में जुटी बीजेपी को उम्मीद है कि यह कदम लेफ्ट समर्थकों के बीच सकारात्मक संदेश देगा.

विरोधियों को सम्मान देने की मोदी सरकार की पुरानी मिसालें- मोदी सरकार द्वारा वैचारिक या राजनीतिक विरोधियों को सम्मानित करने की यह पहली घटना नहीं है. इससे पहले भी कई मौकों पर सरकार ने बड़े राजनीतिक नेताओं को पद्म पुरस्कार या भारत रत्न से नवाज़ा है.

शिबू सोरेन को पद्म भूषण-झारखंड में नए राजनीतिक संकेत?

झारखंड में भी पद्म सम्मान के राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं. आदिवासी राजनीति के सबसे बड़े चेहरों में शामिल शिबू सोरेन को पद्म भूषण दिए जाने का फैसला ऐसे समय आया है, जब राज्य में बीजेपी और झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच संभावित नज़दीकियों की अटकलें तेज़ हैं. बिहार चुनाव में एनडीए की बड़ी जीत के बाद यह चर्चा शुरू हुई थी कि हेमंत सोरेन की पार्टी कांग्रेस से दूरी बनाकर बीजेपी के करीब आ सकती है. इसी कड़ी में हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन की एक वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की खबरें भी सामने आई थीं. तब कहा गया था कि शिबू सोरेन को भारत रत्न या पद्म सम्मान देकर केंद्र सरकार जेएमएम को राजनीतिक संकेत दे सकती है. अब सम्मान की घोषणा के बाद इन अटकलों को और बल मिला है.

आप-कांग्रेस में झगड़े का भाजपा को फायदा

चंडीगढ़. चंडीगढ़ के नगर निगम मेयर चुनाव में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच झगड़े का फायदा भाजपा को मिला और उसने बहुमत से अपना मेयर बना लिया. चुनाव में भाजपा के मेयर उम्मीदवार सौरभ जोशी को कुल 18 वोट मिले, जबकि कांग्रेस और आप पार्टी ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे थे, जिनके बीच वोट बंट गए. इस बार चुनाव गोपनीय बैलेट पेपर की जगह खुला मतदान हुआ था, जिसमें पार्षदों ने हाथ खड़ा करके अपना वोट डाला.

कैसे जीता भाजपा का उम्मीदवार?- चंडीगढ़ निगम में 35 पार्षद और एक सांसद का वोट है, जिसमें भाजपा के पास 16 पार्षद, कांग्रेस के पास 7 और आप के पास 13 पार्षदों के वोट हैं.

गुरुवार को कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में कुल 7 वोट पड़े, जिसमें चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी ने कांग्रेस प्रत्याशी गुरप्रीत सिंह गाबी को वोट किया, जबकि आप के खाते में 11 वोट आए. उनकी पार्टी के 2 पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग करके भाजपा के सौरभ उम्मीदवार को जिता दिया.

कांग्रेस और आप ने वापस नहीं लिया नामांकन

मेयर चुनाव के लिए कांग्रेस, भाजपा और आप ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे थे. मतदान से पहले चुनाव अधिकारी ने उम्मीदवारों से नामांकन वापस लेने के बारे में पूछा था. तब कांग्रेस और आप दोनों में किसी पार्टी ने अपने उम्मीदवार वापस नहीं लिए, जिससे उनके वोट बंट गए और भाजपा को फायदा हुआ. पूरी मतदान प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई है. पिछले चुनावों में कांग्रेस ने आप उम्मीदवार का समर्थन दिया, लेकिन इस बार आप ने समर्थन नहीं किया.

राहुल-कनिमोझी मुलाकात के बाद भी पेंच

क्या डीएमके के साथ 'हैंडशेक' रहेगा बरकरार?

चेन्नई. तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही राज्य की सियासत गरमा गई है. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और डीएमके की वरिष्ठ नेता कनिमोझी के बीच बुधवार को सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर मुलाकात हुई थी. हालांकि, हाई प्रोफाइल मुलाकात के बावजूद सीटों के बंटवारे को लेकर फिलहाल बर्फ पिघलती नजर नहीं आ रही है.

सूत्रों के अनुसार यह बैठक मुख्य रूप से गठबंधन के भीतर की वैचारिक तालमेल और उन मुद्दों पर केंद्रित थी जिन्हें सुलझाया जाना बाकी है. हैरानी की बात यह है कि इस बैठक में कांग्रेस को कितनी सीटें दी जाएंगी, इस पर कोई ठोस चर्चा नहीं हुई. कांग्रेस इस बार तमिलनाडु में बैकफुट पर रहने के मूड में नहीं है. पार्टी की प्रदेश इकाई कम से कम 30 सीटों की मांग कर रही है और साथ ही इस बार सत्ता में सम्मानजनक भागीदारी (कैबिनेट में जगह) की भी उम्मीद लगाए बैठी है.

कांग्रेस का इंतजार और डीएमके की खामोशी- कांग्रेस की बेचैनी अब सार्वजनिक होने लगी है. तमिलनाडु के एआईसीसी प्रभारी गिरीश चोडणकर ने खुलकर कहा कि वे पिछले दो महीनों से डीएमके के जवाब का इंतजार कर रहे हैं. उनके बयान से साफ है कि गठबंधन की बातचीत अभी औपचारिक रूप से शुरू भी नहीं हो पाई है.

क्या विजय की टीवीके बनेगी नया समीकरण? तमिलनाडु की राजनीति में इस बार एक नया फैक्टर थलपति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) है. कांग्रेस के भीतर एक धड़ा ऐसा भी है जो विजय की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें विकल्प के तौर पर देख रहा है.

विशेष | सिर्फ 'दीदी' ही कर सकती हैं भाजपा का मुकाबला

अखिलेश ने ममता से मिलाया हाथ

कोलकाता. उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात के बाद एक अहम राजनीतिक बयान दिया. उन्होंने कहा कि इस देश में भारतीय जनता पार्टी के हमलों का मुकाबला सिर्फ 'दीदी' यानी ममता बनर्जी ही कर सकती हैं.

अखिलेश यादव अपनी पत्नी और लोकसभा सांसद डिंपल यादव के साथ कोलकाता में राज्य सचिवालय 'नबन्ना' पहुंचे. वहां

उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के साथ लगभग 40 मिनट तक बंद कमरे में बैठक की. जिसके बाद मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जिस हिम्मत और दृढ़ संकल्प के साथ ममता बनर्जी ने बीजेपी की नीतियों और राजनीतिक दबाव का सामना किया है, वह पूरे देश के लिए एक मिसाल है.

कन्नौज के सांसद ने कहा, बीजेपी के हर राजनीतिक हमले का मुंहतोड़ जवाब सिर्फ दीदी ही दे सकती हैं. सपा सुप्रीमो ने कहा कि वोटर लिस्ट के बहाने लोगों को डराने और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है. हमारी पार्टी लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई में ममता बनर्जी को पूरा समर्थन देगी. उन्होंने कहा कि हम ममता बनर्जी के साथ खड़े हैं और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर स्तर पर सहयोग करेंगे.

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी के बीच इस मुलाकात को विपक्षी पार्टियों के बीच बढ़ती नजदीकी और आने वाले चुनावों से पहले एक संभावित रणनीतिक गठबंधन के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है.

सपा मुखिया ने साधे एक तीर से दो निशाने

अखिलेश का यह बयान ऐसे समय आया है जब राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और कांग्रेस पार्टी टीएमसी को चुनौती दे रही है. राजनीतिक जानकारों का यह भी मानना है कि अखिलेश ने कोलकाता से कांग्रेस को एक कड़ा संदेश दिया है. सीधे शब्दों में कहें तो उन्होंने एक तीर से दो निशाने साधने की कोशिश की है. पहला उन्होंने ममता बनर्जी और टीएमसी को अपना समर्थन दिया है, और दूसरा अखिलेश ने कांग्रेस को यह समझाने की कोशिश की है कि उसे क्षेत्रीय पार्टियों को साथ लेकर चुनावी राजनीति में आगे बढ़ना चाहिए.